>

Title: Need to set up a 'Handicraft Museum' at Moradabad in Uttar Pradesh showcasing the artefacts made by artisans of the city.

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क (सम्भल): मेरा संसदीय क्षेत्र शहर सम्भल व जिला मुरादाबाद जो कि पीतल नगरी के नाम से जाना जाता है, आर्टीसन सिटी कहलाता है जो कि सरकार को हर साल लगभग तीन हजार करोड़ रूपये विदेशी मुद्रा की शक्ल में देता है । यहाँ एक मुश्किल की बात ये है कि यहां के लाखों आर्टीसन्स (हस्तशिल्प) अपने बनाये हुए एन्टीक आयटम्स देशी व विदेशी खरीददारों को पूरी तरह नहीं दिखा पाते और न ही खरीददारों को ये पता चल पाता है कि जैसे आइटम वह लेना चाहता है वह कहां-कहां मिल सकते हैं। इसलिए दुनिया भर में ब्रास सिटी के नाम से मशहूर जिला मुरादाबाद में एक "हस्तशिल्प संग्रहालय" खोलने की मांग बरसों से यहां के लाखों हस्तशिल्पी करते आ रहे है। यहां पर क्राफ्ट म्यूजियम यानी "हस्तशिल्प संग्रहालय" बनाना बेहद जरूरी है।

अतः यह गुजारिश है कि जिला व शहर मुरादाबाद में एक बड़ा "हस्तशिल्प संग्रहालय" जल्द से जल्द खोलने की मेहरबानी करें ताकि यहां व शहर सम्भल के लाखों हस्तशिल्पियों को अपने-अपने एन्टीक आइट्म्स खरीददारों को दिखाने का मौका मिल सके।